

डॉ. जॉन ओसवाल्ट, यशायाह, सत्र 10, ईसा। 19-21

© 2024 जॉन ओसवाल्ट और टेड हिल्डेब्रांट

यह यशायाह की पुस्तक पर अपने शिक्षण में डॉ. जॉन ओसवाल्ट हैं। यह सत्र संख्या 10, यशायाह अध्याय 19 से 21 है। आइए प्रार्थना से शुरू करें।

अपने वचन का अध्ययन करने का एक और अवसर देने के लिए धन्यवाद, पिता। हम उस आज़ादी के बारे में फिर से सोचते हैं जो हमें यह करना है, एक ऐसी आज़ादी जिसे हमारे बोलने के दौरान भी लोग अनुभव करने के लिए मर रहे हैं। हम उनके लिए प्रार्थना करते हैं, हम प्रार्थना करते हैं कि आप उन्हें प्रोत्साहित करेंगे, हम प्रार्थना करते हैं कि आप उनकी रक्षा करेंगे, हम प्रार्थना करते हैं कि आप उनकी रक्षा करेंगे और हे भगवान, वचन के प्रति उनका प्रेम वास्तव में साठ गुना फलित हो। और दुनिया भर में सौ गुना।

हमारी मदद करें हम उसी तरह से प्रार्थना करते हैं हे भगवान, हमें उन लोगों से बचाएं जो दर्पण में देखते हैं और खुद को देखते हैं और फिर तुरंत चले जाते हैं और भूल जाते हैं कि उन्होंने क्या देखा। हे भगवान, हमें अपने शब्दों के दर्पण में देखने में मदद करें ताकि हम खुद को देख सकें कि हमें कहां प्रोत्साहन की जरूरत है, कहां हमें दृढ़ विश्वास की जरूरत है, कहां हमें चुनौती की जरूरत है, कहां हमें सुधार की जरूरत है। हमें इसकी गहराइयों में देखने और वहां वह सब कुछ देखने में मदद करें जिसकी हमें जरूरत है, इसे प्राप्त करें और अपनी दुनिया और अपने लोगों की खातिर इसे जीने के लिए बाहर निकलें। प्रभु आपके नाम पर हमारी मदद करें, हम प्रार्थना करते हैं, आमीन।

ठीक है, हम विश्वास अध्याय 13 से 35 तक के पाठों को देखना जारी रख रहे हैं और इसका पहला भाग अध्याय 13 से 23 है, राष्ट्रों पर भरोसा न करें। हमने देखा है कि राष्ट्रों की महिमा बाबुल से हमारी शुरुआत कैसे हुई।

पिछली बार किसी ने सही टिप्पणी की थी कि आप कुछ मार्करों को देखने में सक्षम नहीं थे, इसलिए मैं सबसे गहरे मार्करों का उपयोग करना याद रखने की कोशिश करूंगा। राष्ट्रों की महिमा 13 और 14, 14 और 16 के उत्तरार्ध में राष्ट्रों की साज़िशें, 17 और 18 में अशशूर, पलिशती और मोआब, राष्ट्रों का उत्पात, और आज रात फिर हम अध्याय 19 को देखते हैं, 20 और 21. दो कारण बताए गए, राष्ट्रों पर भरोसा मत करो क्योंकि वे तुम्हारे परमेश्वर के न्याय के अधीन हैं, राष्ट्रों पर भरोसा मत करो क्योंकि अंततः उनमें से कई तुम्हारे परमेश्वर की पूजा करने जा रहे हैं।

तो आप उन पर भरोसा क्यों करेंगे? आज रात, फिर हम सबसे पहले मिस्र जाएंगे और हम श्लोक 1 से 4 में उन कारणों में से एक के बारे में बात करना शुरू करेंगे कि क्यों शायद किसी को मिस्र पर भरोसा करना चाहिए। श्लोक 1, प्रभु तीव्र बादल पर सवार होकर मिस्र में आ रहा है और मिस्र की मूर्तियाँ उसकी उपस्थिति से कांप उठेंगी और मिस्रियों का हृदय पिघल जाएगा। पद 3, और मिस्रियोंकी आत्मा उनके भीतर से खाली हो जाएगी, और मैं उनकी युक्ति को व्यर्थ कर दूंगा, और वे मूरतों और टोन्हों और ओझों और तंत्रमंत्रियोंके पास पूछेंगे।

इन आयतों के अनुसार मिस्र पर भरोसा करने का एक कारण क्या होगा? संकट के क्षण में मिस्रवासी किसकी ओर रुख कर रहे हैं? मूर्तियाँ, बिल्कुल। इसलिए मिस्र पर भरोसा करने का एक कारण उनका प्राचीन धर्म होगा। जैसा कि मैंने पृष्ठभूमि में टिप्पणी की थी, इस समय मिस्रवासी आसानी से पूरे निकट पूर्व में सबसे अधिक मूर्तिपूजक लोग थे।

उनके पास हर चीज़ के लिए एक भगवान था और बहुत सी ऐसी चीज़ें थीं जिनके बारे में आप सोच भी नहीं सकते थे, उनके पास भगवान थे। आधुनिक समय में केवल हिंदू धर्म ही उनसे आगे निकल गया है। हिंदू धर्म में प्रतिष्ठित रूप से 10,000 से अधिक देवता हैं, लेकिन मिस्रवासी निश्चित रूप से उन्हें दूसरे स्थान पर रखते थे।

प्राचीन विश्व में मिस्रवासियों को एक प्रकार की दादी के रूप में देखा जाता था। वह एक थी, भले ही मेसोपोटामिया में सुमेरियन वास्तव में सभ्यता के वास्तविक माता-पिता प्रतीत होते थे, मिस्रवासी उनके बहुत पीछे थे और प्राचीन दुनिया के बाकी हिस्सों में मिस्रवासियों को इस तरह देखा जाता था जैसे वे ही हों। इसे एक साथ मिला। और इसलिए, यह प्राचीन धर्म उन पर भरोसा करने का एक कारण होगा।

यहोवा, ठीक है, वह देर से आने वाला है, लेकिन रे और होरस और अम्मोन और ये सभी भरोसा करने के कारण होंगे। परन्तु यशायाह कहता है कि उसकी उपस्थिति से मूर्तियाँ कांप उठेंगी। और मिस्रियों की युक्ति निकम्मी हो जाएगी, और परमेश्वर उन्हें एक कठोर स्वामी के हाथ में कर देगा।

यदि आप श्लोक 2 को देखें, तो यह बिल्कुल स्पष्ट है कि यशायाह अपने मिस्र के इतिहास को जानता है, क्योंकि जैसा कि मैं पृष्ठभूमि में बताता हूँ, मिस्र के इतिहास में दो बार आपके पास पूर्ण राजशाही की अवधि थी, जिसे पुराने साम्राज्य के रूप में जाना जाता है, जो पिरामिड होगा आयु। लगभग 3100 ईसा पूर्व से लगभग 2200 ईसा पूर्व तक। यहीं पर पिरामिडों का निर्माण हुआ था।

जब हम इब्राहीम के बारे में बात कर रहे थे तो मैंने इस पर टिप्पणी की थी। इब्राहीम और सारा संभवतः पर्यटक ऊँटों को पिरामिड देखने के लिए बाहर ले गए थे। जब इब्राहीम आया तो वे पहले से ही 800 वर्ष के थे।

कभी-कभी हमें यह विचार आता है कि इब्राहीम एक आदिवासी था जो अभी-अभी गुफा से रेंगकर बाहर आया था। नहीं - नहीं। दुनिया की दो सबसे महान संस्कृतियाँ, मिस्र और सुमेरियन, 2000 के आसपास अब्राहम के परिदृश्य में आने से पहले ही उत्थान और पतन कर चुकी थीं।

तो, पुराना साम्राज्य लगभग एक हजार वर्षों तक पूर्ण राजतंत्र था, सिंहासन पर बैठा ईश्वर-राजा, और फिर यह सब बिखर गया। और आपके पास लगभग 200 वर्षों की अवधि थी, 2200 से 2000, जब वे शहर-राज्यों में विभाजित हो गए और इसे पहला मध्यवर्ती कहा जाता है। और यह फिर से हुआ जब मध्य साम्राज्य ने 2000 से लगभग 1750 तक खुद को स्थापित किया।

और एक बार फिर, 1750 के बाद, यह फिर से टूट गया जिसे दूसरा मध्यवर्ती कहा जाता है। तो, यशायाह अपना इतिहास जानता है। मैं मिस्रियों को मिस्रियों के विरुद्ध भड़काऊंगा, वे एक दूसरे से लड़ेंगे, प्रत्येक अपने पड़ोसी से, नगर नगर से, राज्य राज्य से लड़ेंगे।

और मिस्र में 1000 ईसा पूर्व से ईसा के समय तक पहली सहस्राब्दी के दौरान यही हुआ था। यह लगभग एक शहर का उदय था और दूसरों पर विजय प्राप्त करना और फिर उसका पतन हो जाना था। तो आप उन पर भरोसा क्यों करेंगे? उनका प्राचीन धर्म उन्हें वह स्थिरता देने में असमर्थ है जिसकी वे तलाश कर रहे हैं। श्लोक 5 से 10 में, हम दूसरे कारण पर आते हैं कि हम मिस्रवासियों पर भरोसा क्यों करना चाहते हैं।

वह क्या है? 5 से 10 में नहीं। नील नदी, हाँ, हाँ। मुझे लगता है कि मैंने इसे पहले भी कहा है, लेकिन मुझे इसे फिर से कहने दीजिए।

मिस्र के अस्तित्व का एकमात्र कारण नील नदी है। इसकी अंतिम 400 मील की दूरी में कोई सहायक नदियाँ नहीं आ रही हैं। तो इसका मतलब है कि बाढ़ का बिल्कुल अनुमान लगाया जा सकता है।

हर साल एक ही सप्ताह के भीतर, नील नदी में बाढ़ आती है और उसी सप्ताह के भीतर, कुछ सप्ताह बाद, बाढ़ कम हो जाती है। बिल्कुल पूर्वानुमानित. और उस पानी के कारण, सचमुच एक पैर रेगिस्तान में और दूसरा गेहूँ के खेत में खड़ा होना संभव है।

जहां तक सिंचाई का पानी जाता है, वास्तव में मिस्र भी उतनी ही दूर तक जाता है। तो कहा जाता है कि डेल्टा के दक्षिण में मिस्र 10 मील चौड़ा और 300 मील लम्बा है। इसलिए सभी शताब्दियों में, नील नदी ने मिस्र के लिए अपनी सीमाओं से परे लोगों को खाना खिलाना संभव बना दिया।

आपको याद होगा कि प्रेरित पौलुस मिस्र से रोम जा रहे एक अनाज जहाज पर था। और मार्क एंटनी को क्लियोपेट्रा में दिलचस्पी होने का कारण यह था कि वह उसका अनाज चाहता था। अब वह शायद प्यारी भी रही होगी, लेकिन रोमन लोग मिस्र के पीछे इसलिए हैं क्योंकि नील नदी इसे संभव बनाती है।

तो हाँ, लेकिन भगवान क्या कहते हैं? नील नदी का क्या होने वाला है? यह सूख जायेगा. और वे सभी व्यवसाय जो इस पर निर्भर हैं, मछुआरे, श्लोक 8, वे जो सन बनाते हैं, श्लोक 9, यह सब नष्ट होने वाला है। अब जहां तक हम जानते हैं, यह कभी भी अक्षरशः पूरा नहीं हुआ।

हमारे पास नील नदी के वास्तव में सूखने का कोई ऐतिहासिक उदाहरण नहीं है। लेकिन यहाँ क्या मुद्दा उठाया जा रहा है? मनुष्य के रूप में हम किस पर भरोसा करते हैं? हर चीज़ के लिए हमेशा पहली बार होता है। ऐसी चीज़ों पर भरोसा नहीं किया जा सकता.

हम किस पर भरोसा करने के इच्छुक हैं? प्रकृति। हाँ, भौतिक संसार की प्रचुरता। और यह मेरे लिए आश्चर्यजनक है कि कैसे हमारा आधुनिक समाज एक प्राकृतिक आपदा से पूरी तरह से अस्त-व्यस्त हो सकता है।

यह बिल्कुल आश्चर्यजनक है। ऐसा लगता है जैसे हम मान लेते हैं कि सब कुछ हमेशा वैसे ही काम करेगा जैसे उसे करना चाहिए। और साथ ही एक भयंकर तूफान और दहशत का माहौल भी आता है क्योंकि हम प्रकृति पर निर्भर हैं।

मैं केन बर्न्स की 'द डस्ट बाउल' देख रहा था। और अंत में वह कह रहा था कि ओमाहा मिडवेस्ट में है, जिसके परिणामस्वरूप एक और धूल का कटोरा हो सकता है। लेकिन हम खुद को बचाने के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर भरोसा करते हैं।

और इसका कोई जवाब ही नहीं है। हाँ। वह पानी खत्म हो गया है।

हाँ। हाँ। देश के मध्य से होकर बहने वाला वह जलभृत पिछले 75 वर्षों से भूमिगत रूप से और भी गहरा होता जा रहा है।

और जैसे-जैसे हम अधिक से अधिक सिंचाई कर रहे हैं, यह और भी तेज़ होता जा रहा है। कैरेन इस तथ्य के बारे में कुछ पढ़ रही थी कि न्यूयॉर्क में आने वाले महातूफान की भविष्यवाणी 30 साल पहले की गई थी। लेकिन इसकी तैयारी करना बहुत महंगा था।

इसलिए उन्होंने सबसे में जाने वाली बैटरी सुरंग को बंद नहीं किया। लेकिन हम वहां हैं। मैं प्रकृति की प्रचुरता पर भरोसा रखूंगा और सब कुछ ठीक हो जाएगा।

मैं देवताओं पर भरोसा रखूंगा। नहीं, वे भ्रमित और उलझन में हैं। वे नहीं जानते कि दुनिया कहाँ से आयी।

वे नहीं जानते कि यह कहाँ जा रहा है। उनका कोई उद्देश्य नहीं है। मैं प्रकृति पर भरोसा करूंगा।

प्रकृति तुम्हें विफल कर देगी। हमें अब आगे बढ़ना चाहिए। श्लोक 11 से 15.

हम यहां मिस्र पर भरोसा क्यों करते हैं? हम यहां मिस्र पर भरोसा करने के इच्छुक क्यों होंगे? उनकी बुद्धिमत्ता, उनकी बुद्धिमानी, दरबारी सलाहकार, और फिर, जैसा कि मैंने पृष्ठभूमि में उल्लेख किया है, हमारे पास सबसे पुरानी कहावतें मिस्र से हैं। फिर, इब्राहीम के समय के बारे में। और शायद वे उससे पहले ही वापस चले जाते हैं।

और सुझाव यह है कि एक जटिल अदालत को चलाने के लिए इस प्रकार की लौकिक बुद्धि आवश्यक थी। यह दिलचस्प है कि कितनी सारी कहावतें इस बात से संबंधित हैं कि आप एक जटिल पदानुक्रमित प्रणाली में खुद को कैसे प्रबंधित करते हैं। और उस आधार पर, फिर, हमारे लिए यह समझना आसान है कि सुलैमान ही वह व्यक्ति क्यों रहा होगा जिसने इज़राइल में लौकिक साहित्य का प्रचार किया होगा।

क्योंकि वह पहले व्यक्ति थे जिनके पास एक बड़ा जटिल न्यायालय था। और इसलिए, मुद्दा यह है कि आप एक युवा दरबारी हैं, और आपको राजा की मेज पर बैठने के लिए आमंत्रित किया जाता है। आप क्या नहीं करते? राजा के पास मत बैठो।

मेज के अंत में बैठ जाओ, और यदि वह तुम्हें एक या दो कुर्सियाँ ऊपर उठाने के लिए कहता है, तो आप अच्छे दिखेंगे। परन्तु यदि तुम उसके पास बैठ जाओ, और वह कहे, तुम कौन हो? यहाँ से चले जाओ। तुम बुरे दिखने वाले हो।

इसके अलावा, यदि तुम राजा की मेज पर आओ, तो सुअर की तरह मत खाओ। ध्यान से खाओ। तो फिर, प्राचीन विश्व का ज्ञान।

यहाँ मिस्र है, जैसा कि मैं कहता हूँ, दादी। वह बुतपरस्त धर्म के विकास के साथ एक है। वह प्रचुर धन-संपदा वाली होती है।

वह प्राचीन ज्ञान वाली है। और उनका क्या होता है? उनकी बुद्धि उन्हें क्या नहीं बता पाएगी?
श्लोक 12. ईश्वर की इच्छा, ईश्वर का मार्ग, ईश्वर का उद्देश्य।

अब, मैंने इस बारे में पहले भी बात की है, लेकिन इसे दोहराना ज़रूरी है। बुतपरस्ती अस्तित्व में किसी उद्देश्य की कल्पना नहीं कर सकती। क्योंकि बुतपरस्ती प्रकृति की शक्तियों को देवता बना रही है।

और प्रकृति की इन शक्तियों का स्पष्ट रूप से, शायद, जीवित रहने के अलावा कोई उद्देश्य नहीं है। लेकिन एक योजना का विचार, और उस योजना का एक सार्थक लक्ष्य की ओर कार्यान्वित होना, नहीं। नहीं।

बेशक, यह वही जगह है जहाँ विकास हमें ले गया है। विकास में योग्यतम की उत्तरजीविता के अलावा कोई उद्देश्य नहीं है। वास्तविक रूप से, डार्विन बस उस बात को तर्कसंगत बना रहे थे जो प्राचीन बुतपरस्त पूरी तरह से अच्छी तरह से जानते थे।

यह संयोग की दुनिया है। आप केवल चक्रों के निरंतर संचालन की आशा कर सकते हैं जैसा कि वे हमेशा से संचालित होते आए हैं। बुतपरस्ती जो नहीं चाहती वह आश्चर्य है।

तो, यह विचार कि यहाँ जो कुछ भी हो रहा है उसमें यहोवा का संभवतः कोई उद्देश्य हो सकता है, बुतपरस्ती की संभावना से परे है। और यह आज हमारी दुनिया में सच है। यह विचार कि आपके अस्तित्व में एक उद्देश्य है, कि भगवान के पास आपके जीवन के लिए एक उद्देश्य है, और यदि आप उसे अनुमति दें, तो वह इसे प्राप्त कर सकता है, यह एक नास्तिक के लिए पूर्ण पाखंड है।

घृणित विधर्म. यह नहीं हो सकता. लेकिन वचन कहता है कि बिल्कुल यही मामला है।

इस सब में परमेश्वर का एक उद्देश्य है। अब, वह नेताओं, हाकिमों, पद 11, सलाहकारों, फिरौन के बारे में बात करता है। तू फिरौन से कैसे कह सकता है, कि मैं बुद्धिमानों का सन्तान, और प्राचीन राजाओं का सन्तान हूँ, फिर तेरे बुद्धिमान लोग कहाँ हैं? तो, एक ईसाई का हमारे नेताओं के प्रति उचित रवैया क्या होना चाहिए? उनका सम्मान करें, लेकिन उन पर भरोसा न करें।

उनका सम्मान करें, लेकिन उन पर भरोसा न करें। ठीक है। और क्या? पद की दृष्टि से सम्मान.

जिसका सम्मान करना है उसका सम्मान करें। हमें क्या नहीं करना चाहिए? हमें उन पर भरोसा नहीं करना चाहिए. हमें उनकी पूजा नहीं करनी चाहिए.

हमें उनसे यह उम्मीद नहीं करनी चाहिए कि वे हमें बचा लेंगे।' हमें उनके लिए प्रार्थना करनी चाहिए. लेकिन यहाँ यह है, मिस्रवासी उम्मीद कर रहे हैं कि ये नेता अपने सभी प्राचीन ज्ञान के साथ उनका उद्धार करेंगे और ऐसा होने वाला नहीं है।

और यशायाह यहूदा से कहता है, क्या तुझे विश्वास नहीं, कि ऐसा होगा? उन पर भरोसा मत करो. अब याद रखें, राजनीतिक रूप से क्या हुआ, वर्षों बीत गए।

अशूर ने इस्राएल के उत्तरी राज्य को नष्ट कर दिया है। वे यहां पलिशती तट पर आपके दृष्टिकोण से नीचे अभियान चला रहे हैं। यहूदा वास्तव में पीछे है, कुछ हद तक उनके पीछे है, लेकिन वे यहूदा से डरते नहीं हैं।

और एकमात्र चीज़ जिस पर यहूदा संभवतः निर्भर रह सकता है वह मिस्र है, जहाँ असीरिया जा रहा है। मिस्रवासियों पर भरोसा मत करो. उनके प्राचीन धर्म के कारण उन पर विश्वास मत करो।

उनकी भौतिक प्रचुरता के कारण उन पर भरोसा न करें। उनके प्राचीन ज्ञान और उनके कथित महान नेतृत्व के कारण उन पर भरोसा न करें। अब इस सब में हमारे लिए क्या सबक है? हां, राजनीतिक प्रक्रिया को देखना और लोग इस नेता या उस नेता से क्या अपेक्षा करते हैं, यह देखना दिलचस्प है।

और यशायाह की किताब क्या कहती है कि जब आप उनसे आपको बचाने की उम्मीद करते हैं, तो आप उन्हें असफलता की निंदा करते हैं। वे संभवतः सफल नहीं हो सकते. तो यहाँ हमारे लिए वही सबक है।

धर्म पर भरोसा मत करो. भौतिक संपदा पर भरोसा न करें. राजनीतिक व्यवस्था में प्रदर्शित मनुष्य की बुद्धिमत्ता पर भरोसा न करें।

अब, अध्याय का उत्तरार्ध श्लोक 16 से 25 हमें इस तस्वीर का दूसरा पक्ष दिखाता है। मिस्र पर भरोसा न करने का एक और कारण यहां है। अब, आमतौर पर मेल, जो यहां बैठता है, उसने अपना होमवर्क किया है, शायद किसी और ने किया है।

श्लोक 16 और श्लोक 24 के बीच उस दिन में कितनी बार आता है? एक, दो, तीन, चार, पाँच, और यह इस बात पर निर्भर करता है कि आपके पास कौन सा अनुवाद है, यह छह हो सकता है। लेकिन उस दिन में कम से कम पाँच बार ऐसा प्रकट होता है। श्लोक 16, श्लोक 18, श्लोक 19, श्लोक 23, श्लोक 24।

मम-हम्म. मम-हम्म. हाँ ठीक है।

ठीक है, अच्छा, धन्यवाद। अब, वह किस बारे में बात कर रहा है? और पुनरावृत्ति क्यों? ठीक है, फैसले का दिन आने पर ध्यान आकर्षित करने की भविष्यवाणी? मम्म-हम्म, हाँ। एक दिन आ रहा है.

एक ऐसा दिन जो हर दूसरे दिन जैसा नहीं होगा। अब, फिर से, हिब्रू शब्द डे का उपयोग उसी तरह करता है जैसे हम अंग्रेजी में करते हैं। यह 24 घंटे की अवधि को संदर्भित कर सकता है या यह समय की अवधि को संदर्भित कर सकता है।

और यह पता लगाना कभी भी आसान नहीं है कि वास्तव में कौन सा है। लेकिन, कम से कम, यह आने वाले समय की बात है। एक ऐसा दौर जो अब से अलग है.

एक ऐसा दौर जो महज़ अब की पुनरावृत्ति नहीं है। ताकि समय की बुतपरस्त समझ गोलाकार हो। हम शून्य से आते हैं, हम शून्य में जाते हैं।

दिन के बाद रात आती है. रात के बाद दिन आता है. दिसंबर के बाद जनवरी आती है।

नवंबर के बाद दिसंबर आता है। लेकिन बाइबल समय को बहुत अधिक रैखिक तरीके से देखती है। शुरू से अंत तक।

और कल केवल आज की पुनरावृत्ति नहीं है। अब, बाइबिल के परिप्रेक्ष्य से दिलचस्प बात यह है कि हमें कल के बारे में एक विकल्प मिल गया है। क्या यह कल की बढ़त होगी या कल की तुलना में गिरावट होगी? हम जो जानते हैं वह यह है कि यह कल की पुनरावृत्ति नहीं होगी।

मैं बेहतर और बदतर का उपयोग करने में संकोच करता हूँ लेकिन यह वह भावना है कि कल या तो आज पर आधारित होगा या कल आज पर आधारित नहीं होगा। लेकिन यह वैसा नहीं होगा. तो, यह विचार है कि वहाँ एक समय अवधि है जो अब से भिन्न है।

और उस दिन कुछ चीजें घटित होने वाली हैं। अब, क्या होने वाला है? श्लोक 16 और 17 उन घटनाओं का क्या अर्थ है जो मिस्र पर हावी होने वाली हैं? श्लोक 17 एकदम अंत। यह क्या कहता है? यहोवा किस कारण उनके विरुद्ध आएगा? उसकी योजना.

उसका उद्देश्य. यहाँ यह फिर से है. यशायाह के माध्यम से ईश्वर यहूदियों में यह सोच घर करने की कोशिश कर रहा है कि जो कुछ हो रहा है वह संयोग नहीं है।

जो हो रहा है वह केवल सबसे बड़ी बटालियनों की जीत नहीं है। जो हो रहा है वह यह है कि ईश्वर का उद्देश्य मानवीय अनुभव में कार्यान्वित हो रहा है। और यह हमारे लिए याद रखना बहुत महत्वपूर्ण है।

मैं आज इसी के बारे में सोच रहा था। सप्ताहांत में रॉन स्मिथ के साथ एक बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण घटना घटी। उन्हें अफ्रीका गॉस्पेल चर्च के सम्मेलन में प्रचार करने के लिए केन्या जाना था।

संभवतः सत्रह या अठारह सौ पादरी होंगे। एम्स्टर्डम पहुंचे और पता चला कि उनके पासपोर्ट पर केवल साढ़े चार महीने बचे थे और केन्या केवल छह महीने का वीजा देता है। और इसलिए उसे दोबारा बुक करने के लिए साढ़े चार घंटे तक लाइन में खड़े रहने के लिए मजबूर होना पड़ा, फिर साढ़े तीन घंटे तक लाइन में खड़ा रहना पड़ा, सुरक्षा से शारीरिक रूप से परेशान होना पड़ा क्योंकि जाहिर तौर पर वह एक प्रकार का धार्मिक पागल था जो संयुक्त राज्य अमेरिका से आया था। एम्स्टर्डम के लिए और अब स्पष्ट रूप से बम ले जाने के लिए वापस उड़ रहा था।

मैंने आज उसके बारे में सोचा। इसे देखने के कुछ तरीके। एक तरीका तो यह कहना है कि यह सिर्फ एक दुर्घटना थी और भगवान स्वर्ग में हैं और कह रहे हैं कि यह बहुत बुरा है।

इसे देखने का एक और तरीका यह है कि भगवान का इसमें कुछ उद्देश्य था और वह ऐसा करने का इरादा रखता था। लेकिन इसे देखने का एक और तरीका भी है। और यह भगवान के लिए कोई आश्चर्य की बात नहीं है।

और यदि वह कुछ घटित होने की अनुमति देता है तो उसके पास उससे छुटकारा पाने का एक तरीका है। और मेरा प्रस्ताव है कि इस तरह से हम उन दुर्भाग्यों को देख सकते हैं जो जीवन में हमारे साथ घटित होते हैं। वे परमेश्वर के नियंत्रण से बाहर नहीं हैं।

हमें यह विश्वास करने की ज़रूरत नहीं है कि भगवान ने उन्हें पैदा किया। लेकिन हम जानते हैं कि यदि हम अनुमति दें तो ईश्वर किसी भी चीज़ से अपना भला निकालने में सक्षम है। इसलिए भगवान हिब्रू लोगों से कहते हैं याद रखें कि ये चीज़ें होने वाली हैं।

वे कोई दुर्घटना नहीं हैं। वे महज़ किसी शक्तिशाली उत्पीड़क राष्ट्र का काम नहीं हैं। परमेश्वर अपने अच्छे उद्देश्य को पूरा करने के लिए उनका उपयोग करके उनमें कार्य कर रहा है।

मुझे लगता है कि अगर हम अपने दिल में उस भावना के साथ जी सकें तो हम आत्मविश्वास के साथ जी सकते हैं। हम कुछ हद तक उत्साह के साथ जी सकते हैं। लड़के, मुझे आश्चर्य है कि भगवान इससे क्या निकालेगा।

क्योंकि वह कर सकता है और वह करता है। ठीक है, चलिए आगे बढ़ते हैं। श्लोक 18 से 25 एक अद्भुत उल्लेखनीय कथन है।

16 और 17 कहते हैं कि मिस्र पर विपत्ति आने वाली है लेकिन उस विपत्ति का परिणाम क्या होगा? इन आयतों के अनुसार मिस्र में क्या-क्या चीज़ें घटित होने वाली हैं? वे प्रभु की आराधना

करने जा रहे हैं। वे प्रभु की आराधना करने जा रहे हैं। अब यह आश्चर्य फिर से दिलचस्प है कि क्या यह दिन वास्तव में घटित हुआ था। मिस्र ईसाई बनने वाले पहले देशों में से एक था।

मिस्र का चर्च यूनानी चर्चों की तुलना में कई मायनों में अधिक मजबूत था। हम ठीक से नहीं जानते कि उन्हें किसने प्रचारित किया लेकिन किसी ने किया था। और इसलिए, एक दृष्टिकोण से, यह भविष्यवाणी पहले ही पूरी हो चुकी है।

अब शायद यह भविष्य के दिन के बारे में भी बात कर रहा है? कहना मुश्किल। वे प्रभु की आराधना करने जा रहे हैं। उनके द्वारा परमेश्वर की आराधना करने का प्रमाण क्या होगा? इसके भाव क्या होंगे? वे सीमा पर एक स्मारक स्तंभ के साथ प्रभु के लिए एक वेदी बनाने जा रहे हैं।

जब वे मुसीबत में पड़ेंगे तो क्या होगा? वे प्रभु को पुकारने जा रहे हैं। वह उन्हें बचा लेगा। और श्लोक 21 में क्या परिणाम होने वाला है? यहीवा स्वयं को प्रगट करेगा और मिस्रियों के विषय में क्या? वे प्रभु को जान लेंगे।

अब फिर से यदि आप पुराने नियम में धर्म के बारे में बात करना चाहते हैं तो हिब्रू में धर्म के लिए कोई शब्द नहीं है। क्योंकि धर्म आपके जीवन का एक खंड सुझाता है। वहाँ तुम्हारा काम है, वहाँ तुम्हारा परिवार है, वहाँ तुम्हारा अवकाश है, वहाँ तुम्हारा धर्म है।

और पुराने नियम को इसके बारे में कुछ भी पता नहीं है। या तो आप ईश्वर को जानते हैं और यह आपके हर काम में प्रतिबिंबित होता है या आप नहीं करते हैं। और समानांतर यह है कि या तो आप ईश्वर से डरते हैं और आपका पूरा जीवन इसे प्रतिबिंबित करता है या आप नहीं करते हैं।

तो, एक उल्लेखनीय बयान. मिस्रवासी प्रभु को जानने वाले हैं। अब छंद 23 और 24 में एक बार फिर यह कहना संभव है कि यह प्रारंभिक ईसाई युग में पहले ही पूरा हो चुका है जब बीजान्टिन साम्राज्य ने इस पूरे क्षेत्र को नियंत्रित किया था।

लेकिन इसका तात्पर्य समय के अंत से भी हो सकता है। मैं पिछले सप्ताह एक मित्र के साथ भविष्यवाणी के बारे में बात कर रहा था और मेरे लिए, इस अनुच्छेद में खतरों का एक अच्छा उदाहरण है। पुराने नियम के एक जाने-माने शिक्षक, जो किसी भी तरह से भविष्यवाणी करने वाले शिक्षक नहीं हैं, जब सभी अरब देशों में से अकेले मिस्र ने इज़राइल के साथ शांति संधि की, तो उन्होंने सार्वजनिक रूप से घोषणा की कि यह निर्गमन की पूर्ति की शुरुआत थी, क्षमा करें यशायाह 19.23 मिस्र से अश्शूर तक एक राजमार्ग होगा और अश्शूर मिस्र तक आएगा, और मिस्र अश्शूरियों के पास आएगा, और मिस्रवासी अश्शूरियों के साथ उपासना करेंगे।

खैर, यह अभी तक नहीं हुआ है, है ना? मैं फिर से कहना चाहता हूँ कि आपमें से जो लोग मेरे साथ रहे हैं वे जल्द ही वह सब कुछ कहने में सक्षम होंगे जो मैं कहता हूँ। ये तो कमाल की सोच है। भविष्यवाणी के दो उद्देश्य हैं।

भविष्यसूचक भविष्यवाणी के दो उद्देश्य हैं। और याद रखें कि सभी भविष्यवाणियाँ पूर्वानुमानित भविष्यवाणी नहीं होती हैं। बहुत सारी भविष्यवाणियाँ लोगों से सीधे बात कर रही हैं और जिस तरह से वे अभी रह रहे हैं उसके लिए उन्हें चुनौती दे रही हैं।

यदि आप विशिष्ट भविष्यवाणी के बारे में बात करना चाहते हैं तो आप ईजेकील 39 से 48 के बारे में बात कर रहे हैं, आप जकर्याह 9 से 14 के बारे में बात कर रहे हैं और आप डैनियल 7 से 12 के बारे में बात कर रहे हैं और कई लोग प्रकाशितवाक्य अध्याय 4 से 21 की पुस्तक पर विश्वास करते हैं। मूलतः यही है। यदि आप बाइबल में अंत समय की भविष्यवाणी के बारे में बात करना चाहते हैं तो बस इतना ही। लेकिन लोगों ने इससे खूब दौलत कमाई है।

मुझे नहीं पता कि आप जैक वान इम्पे का नाम जानते हैं या नहीं। वह असली टेफ्लॉन आदमी है। वह 70 वर्षों से दुनिया के अंत की भविष्यवाणी कर रहे हैं।

और हर बार जब वह गलत साबित होता है तो वह तुरंत फिसल जाता है और कहता है कि ओह ठीक है, इसका मतलब यह है और लोग उसे भुगतान करते हैं। भविष्य कहनेवाला भविष्यवाणी किस लिए दी जाती है? भविष्य की समय सारिणी बनाने के लिए नहीं। भविष्य की समय सारिणी बनाने के लिए नहीं। पिछले 2,000 वर्षों की समय सारिणी की विफलताओं से हमें कुछ कहना चाहिए।

यह हमें क्यों दिया गया है? नंबर एक, ताकि हम यह जानकर आत्मविश्वास के साथ जी सकें कि ईश्वर भविष्य जानता है। यह सब कैसे होने वाला है? मुझे पता नहीं है। क्या यह परमेश्वर के प्रयोजनों के अंतर्गत पूरा होगा? तुम्हें इस पर ज्यादा भरोसा है।

मुझे लगता है कि यह चक किलियन ही थे जिन्होंने कहा था कि मैं पूर्व-सहस्राब्दिवादी या उत्तर-सहस्राब्दिवादी या सहस्राब्दिवादी नहीं हूँ। मैं एक पैन-मिलेनियलिस्ट हूँ। मुझे लगता है कि यह सब खत्म होने वाला है।

खैर, मुझे नहीं पता कि मैं इतनी दूर तक जाना चाहता हूँ। लेकिन, सबसे पहली बात तो यह है कि भविष्य तो भगवान ही जानता है। यह उसके हाथ में है।

कोई आश्चर्य नहीं है। नंबर दो, पूरा होने पर हमारा आत्मविश्वास सुरक्षित हो जाता है। हम उन तरीकों को देख सकते हैं जिनमें मसीह की भविष्यवाणियाँ पूरी हुई हैं और हाँ, हाँ कह सकते हैं।

मुझे विश्वास है। अब, मैंने कई लोगों से कहा है कि मुझे सचमुच खुशी है कि जब यीशु का जन्म हुआ तब मैं जीवित नहीं था। क्योंकि निश्चित रूप से दुनिया की तरह मैंने भी इस पर एक किताब लिखी होती और इसे गलत पाया होता।

फरीसियों के साथ यही हुआ। उन्होंने किताबें लिखी थीं। और यीशु उनकी पुस्तकों में फिट नहीं बैठे।

लेकिन हम पीछे मुड़कर देख सकते हैं और कह सकते हैं कि अरे हाँ, पाठ बिल्कुल यही कह रहा था। तो, ये दो कारण हैं कि हमारे पास पूर्वानुमानित भविष्यवाणी क्यों है। ताकि हम यह जानकर आत्मविश्वास के साथ जी सकें कि भविष्य ईश्वर के हाथों में है और जब पूर्वानुमानित भविष्यवाणियाँ पूरी होती हैं तो हमारा आत्मविश्वास गहरा और सुरक्षित हो जाता है।

ठीक है। तो क्या ये भविष्यवाणियाँ पूरी होंगी? उस समय इस्राएल, मिस्र और अश्शूर के साथ तीसरे स्थान पर होगा, और पृथ्वी के बीच में आशीष ठहरेगा। हाँ।

हाँ। मैं यह बात विश्वास के साथ कह सकता हूँ। कैसे? मेरे पास कोई धूमिल विचार नहीं है।

और अगर मेरे पास कोई विचार है तो मैं इसे आपके साथ साझा नहीं करूँगा क्योंकि यह संभवतः गलत होगा। लेकिन मैं उतना ही निश्चित हूँ जितना मैं यहां खड़ा हूँ और निश्चित हूँ कि शायद स्वर्ग में एक दिन होगा जब मैं कहूँगा कि ओह निश्चित रूप से यशायाह ने यही कहा था। इन सबके कहने का तात्पर्य यह है कि यहाँ हमारे दो कारण हैं।

मिस्र पर भरोसा मत करो क्योंकि वे न्याय के अधीन हैं। मिस्र पर भरोसा मत करो क्योंकि वे तुम्हारे परमेश्वर की आराधना करने जा रहे हैं। जिस भगवान पर आप भरोसा करना छोड़ रहे हैं।

कितना बेवकूफ़। ऐसा मत करो। ठीक है, हमें यहाँ जल्दी जाना होगा।

अध्याय 20 हमें बताता है कि हम यशायाह के जीवन के बारे में कितना कम जानते हैं। उनका वास्तविक जीवन। हम इस बारे में बहुत कुछ जानते हैं कि वह क्या सोचते थे और भगवान के साथ उनके रिश्ते के बारे में लेकिन वह कैसे रहते थे, हम लगभग कुछ भी नहीं जानते हैं और इस अध्याय से हम जो जानते हैं वह बहुत चौंकाने वाला है।

इसमें कहा गया है कि तीन साल तक वह नग्न और नंगे पैर घूमता रहा, पहले टाट का टाट पहनता था। हम ईजेकील के बारे में अधिक जानते हैं। ईजेकील को इसी तरह की कुछ चीजों से गुजरना पड़ा।

यहेजकेल एक पुजारी है। 30 साल तक अपने जीवन में कभी किसी गंदी चीज को नहीं छुआ। अब भगवान कहते हैं, ठीक है, मैं चाहता हूँ कि तुम अपने जौ को मानव गोबर की आग पर पकाओ।

ईजेकील कहते हैं, भगवान कहते हैं, ठीक है तुम गाय के गोबर का उपयोग कर सकते हो। बहुत खूब। कौन पैगम्बर बनना चाहेगा? अब इस इधर-उधर घूमने का क्या मतलब है, अब मुझे लगता है कि उसने शायद एक लंगोटी पहन रखी थी, हालांकि मैं इसे साबित नहीं कर सकता।

मुझे लगता है कि अगर वह बिल्कुल नग्न होते तो उन्हें सार्वजनिक रूप से अनुमति नहीं दी जाती। लेकिन, जैसा कि मैं कहता हूँ मैं यह नहीं जानता। लेकिन मुद्दा यह है और यहां हमारे लिए यह बताया गया है कि इस तरह से भगवान मिस्रियों को दूर ले जाएंगे।

क्षमा करें, जिस तरह से असीरियन मिस्रियों को निर्वासन में ले जाने वाले हैं। कठोर। बहुत खूब।

अब आप क्या सोचते हैं कि परमेश्वर ने यशायाह के साथ ऐसा क्यों किया? खैर शायद सबसे पहले मैं पूछता हूँ कि भगवान ने ऐसा क्यों किया और दूसरा उसने यशायाह के साथ ऐसा क्यों किया? ऐसा क्यों किया खुदा ने? आप क्या सोचते हैं? क्या वह यशायाह को दृश्य सहायता के रूप में उपयोग कर रहा होगा? बिल्कुल। बिल्कुल। अब फिर से हम प्रतिबंधित हैं क्योंकि हम नहीं जानते कि वास्तव में कितने लोगों को बात समझ में आई।

लेकिन संभवतः, कुछ के पास बाइबिल थी या हमारे पास नहीं होती। लेकिन परमेश्वर के लिए यह बात बताना काफी महत्वपूर्ण था कि मिस्र पर भरोसा मत करो। वह इस तीन-वर्षीय दृश्य सहायता का उपयोग करने के इच्छुक थे।

अब, यशायाह क्यों करते हैं? वह संभवतः वही करेगा जो भगवान करेगा। मुझे लगता है कि यह बिल्कुल सही है। क्योंकि वह उपलब्ध और आज्ञाकारी था।

अन्य लोगों का एक पूरा समूह उपलब्ध नहीं था और यदि वे उपलब्ध होते तो वे आज्ञाकारी होते। यदि आप स्वयं को ईश्वर के प्रति समर्पित कर देते हैं तो अपने अहंकार को ठेस पहुंचाने की योजना न बनाएं। क्योंकि ईश्वर को आपके या मेरे अभिमान की बहुत चिंता नहीं है।

वह अपना संदेश पहुंचाने को लेकर बहुत चिंतित है। और चाहे जो भी हो. अब, जैसा कि मैं पृष्ठभूमि में कहता हूँ, यहां एक घटना चल रही है जो समय से संबंधित है।

पलिशतियों में से एक पलिशती याद रखें, पाँच शहर थे और उनमें से प्रत्येक का एक राजा था और यह एक प्रकार का संघ था। और इनमें से किसी एक का राजा आम तौर पर बराबर के बीच पहला होता था और इस मामले में यह अशदोद था और अशदोद ने विद्रोह का नेतृत्व किया और अशूरियों को यह बहुत पसंद नहीं आया और जब यह स्पष्ट हो गया कि अशदोद गिरने वाला था, अशदोद का राजा मिस्र भाग गया और उसने शरण मांगी और उन्होंने खुशी-खुशी शरण दे दी जब तक कि अशूरियों ने उन्हें धमकी नहीं दी। किस बिंदु पर अशूरियों ने अशदोद के राजा को अशूरियों को सौंप दिया।

और श्लोक 6 में उस अंतिम पंक्ति का यही महत्व है। जिन पर हमें आशा थी, और जिनके पास हम अशूर के राजा से बचने के लिथे भागे थे, उनका यह हाल हुआ है; अब हम क्योंकर बचेंगे? मिस्र पर भरोसा करने वाले लोगों के साथ ऐसा ही होता है। मिस्र तुम्हें बेच देगा।

और यशायाह कह रहा है कि मिस्रवासियों के साथ यही होने वाला है। आप उन पर भरोसा क्यों करेंगे? ठीक है? अध्याय 20 में आप कुछ भी टिप्पणी करना चाहते हैं? तेजी से आगे बढ़ रहा है? क्या नितंब खुलते हैं? आपके पास अभी भी लंगोटी का एक टुकड़ा हो सकता है। ज़रूर।

हाँ। मैं प्रदर्शन नहीं करने जा रहा हूँ लेकिन हां, नितंब खुले रहेंगे। यह बिकिनी की तरह है।

वह न केवल परमेश्वर का आज्ञाकारी था बल्कि उसे परमेश्वर पर भरोसा भी था। एक बड़ा अंतर यह है कि हम इसके प्रति आज्ञाकारी हो सकते हैं। लेकिन यह सिर्फ एक अंध अनुसरण है।

यह अंधानुकरण नहीं है. यह केवल आज्ञाकारिता नहीं है बल्कि विश्वास है। हाँ।

यशायाह स्वयं इस बात का एक आदर्श है कि उनके साथ क्या होगा, लेकिन वह ईश्वर में विश्वास का भी एक आदर्श है जिसके तरीकों को वह इस समय ठीक से नहीं समझ सकता है। लेकिन मैं उस पर भरोसा करूँगा और वही करूँगा जो वह कहेगा। ठीक है।

अध्याय 21. यह अधिक विचित्र अध्यायों में से एक है। मैं आरंभ में ही यह कहता हूँ।

सबसे पहले, वह शुरू करते हैं आप श्लोक 9 से देख सकते हैं कि हम बेबीलोन के बारे में बात कर रहे हैं। देखें कि यह वहाँ कहां कहता है? गिर गया, गिर गया बेबीलोन. लेकिन उन्होंने इस कविता का शीर्षक दैवज्ञ या संदेश या समुद्र के जंगल से संबंधित बोझ रखा है।

अब एक मिनट के लिए इसके बारे में सोचें। समुद्र का जंगल. वह क्या है भाषण का वह अलंकार क्या है? एक ऑक्सीमोरोन.

जंगल सूखा और बंजर है, समुद्र सूखा है, फिर भी समुद्र का जंगल है, आप इसे नहीं पी सकते। हाँ, हाँ, यह खारा पानी है। टिप्पणीकारों के बीच इस बात पर काफी चर्चा हुई कि वास्तव में इसका क्या मतलब है क्योंकि कोई भी निश्चित रूप से नहीं जानता है।

लेकिन मुझे लगता है कि यह व्यंग्यात्मक है. फरात नदी पर स्थित बेबीलोन की फारस की खाड़ी तक पहुंच थी और पूर्व में समुद्री व्यापार उसकी संपत्ति का एक बड़ा हिस्सा था, साथ ही अरब के आसपास और लाल सागर से लेकर मिस्र तक और इस तरह समुद्र की संपत्ति, समुद्र की संपत्ति समुद्र की प्रचुरता वास्तव में नहीं है. आप सतह से नीचे आ जाते हैं कि वह सारी प्रचुरता अंततः केवल जंगल है।

वह सारी संपत्ति आखिरकार केवल दिखावा बनकर रह गई है। इसलिए मुझे लगता है कि यह व्यंग्य है कि वह वहाँ इससे निपट रहा है। वह पद 2 के बारे में बात करता है कि जो लोग बाबुल एलाम अर्थात् फारस और मीडिया को नष्ट करने जा रहे हैं।

हमने पहले मेड्स के बारे में बात की है जो ज़ाग्रोस पर्वत बेबीलोन में रहते हैं, यहाँ नीचे टाइग्रिस नदी बहती है, ज़ाग्रोस पर्वत टाइग्रिस के साथ-साथ बहती है और मेड्स ज़ाग्रोस पर्वत फारस में रहते थे और मेड्स बेबीलोन को नष्ट करने के लिए एकजुट हो गए। . अब, पद 2 में स्पष्ट रूप से, यह ईश्वर बोल रहा है, एक कठोर दृष्टि से मुझे बताया गया है कि गद्दार विश्वासघात करता है, विनाशक नष्ट करता है, वह बेबीलोन को गद्दार और विध्वंसक कह रहा है और यह निश्चित रूप से सच था कि वे लोगों के साथ अनुबंध बनाने और फिर तोड़ने में बहुत अच्छे थे हे एलाम, उन्हें घेर लो, हे मीडिया, उसने जो आहें भरी हैं, उन्हें घेर लो, मैं संभवतः यही यहोवा हूँ, जिसे मैं समाप्त कर देता हूँ, लेकिन अब श्लोक 3 और 4 को देखो, इसलिए, मेरी कमर पीड़ा से भर गई है, वेदना ने मुझे जकड़ लिया है प्रसव पीड़ा में एक स्त्री की वेदना मैं झुका हुआ हूँ इसलिए मैं सुन नहीं सकता मैं निराश हूँ इसलिए मैं देख नहीं सकता मेरा दिल लड़खड़ा रहा है, भय ने मुझे भयभीत कर दिया है, जिस गोधूलि की मैं कामना करता हूँ वह मेरे लिए कांपने में बदल गई है अब या तो यहोवा है

या यशायाह बात कर रहे हैं। आप दोनों को एक साथ कैसे रखते हैं? मैंने उनके सारे विश्वासघात, उनकी सारी गद्दारी, सारी आहें जो उन्होंने दुनिया में पैदा कीं, को खत्म कर दिया है और मैं दुःख से त्रस्त हूँ आप उन दोनों को एक साथ कैसे रखते हैं? ईश्वर के हृदय में या यशायाह के हृदय में? मुझे लगता है कि आप बिल्कुल सही हैं, वह यरूशलेम पर रोया, ठीक वैसे ही जैसे जब आप अपने बेटे को आपका दिल तोड़ने के लिए दंडित करते हैं, हां, हां, हां, मुझे लगता है कि यह भगवान के दिल में एक बहुत ही महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि है, हम सभी या कुछ भी नहीं की तरह होते हैं ओह, यदि आप वास्तव में उनसे प्यार करते हैं तो आप उनके साथ कुछ भी बुरा नहीं करेंगे या, यदि आप उनके साथ कुछ बुरा करते हैं तो आप उनसे नफरत करेंगे! कुछ परिणाम आते हैं और ईश्वर उन परिणामों को हर समय नहीं रोकता है, कभी-कभी वह उल्लेखनीय तरीकों से ऐसा करता है, लेकिन हर समय नहीं, लेकिन अगर वह इसे आने देता है, अगर वह इसे लाता है तो यह अभी भी एक टूटे हुए दिल से है, मुझे लगता है कि यह एक है बहुत महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि श्लोक 5 मुझे लगता है कि बेलशस्सर की दावत पर बस एक छोटी सी तस्वीर है आपको यह कहानी याद है? बेलशस्सर बाबुल का दूसरा कमांडर है, असली राजा रेगिस्तान में चला गया है और देवताओं को अपने साथ ले गया है और बेलशस्सर दूसरा कमांडर है बेलशस्सर एक दावत कर रहा है और वे उस यहूदी मंदिर से सोने के बर्तन लाते हैं और वे शराब पी रहे हैं उन बर्तनों से और बेबीलोन के देवताओं की स्तुति करते हुए और एक हाथ दीवार पर लिखना शुरू कर देता है डीटी के बारे में बात करें उस रात बेलशस्सर मर जाता है और शहर ले लिया जाता है मेज तैयार करो गलीचे बिछाओ खाओ, पीओ उठो, हाकिम ढालों पर तेल लगाओ अब छंद 6 9ए तक हर किसी के लिए एक पूर्ण रहस्य है क्या हो रहा है? यहोवा ने मुझ से यों कहा, जा, एक पहरूआ बैठा, और जब वह सवारों, गदहोंपर सवार, और ऊँटोंपर सवारोंको देखे, तो जो कुछ देखे वह बता दे। हे प्रभु, खड़े रहो, मैं दिन भर अपनी चौकी पर रात भर तैनात रहता हूँ, देखो, सवार जोड़े में घुड़सवार आते हैं और उसने उत्तर दिया, बाबुल गिर गया है

ठीक है, हम जानते हैं कि इसका क्या मतलब है, लेकिन जोड़े में घुड़सवारों के साथ सौदा क्या है, गधों पर सवार, ऊँटों पर सवार, कोई निश्चित रूप से नहीं जानता, अनुमान है और यहीं मैं नीचे आता हूँ, अनुमान यह है कि आप पश्चिम की ओर आने वाले कारवां मार्गों पर हैं बेबीलोन के और आपको ये शरणार्थी कारवां मार्गों पर आते हुए मिल गए हैं और चौकीदार को बताया गया है कि जब आप शरणार्थियों को आते हुए देखें तो हमें बताएं और यहां क्या हो रहा है, हो सकता है जैसा कि मैं कहता हूँ कि यह वह है जो सबसे अधिक समझ में आता है मेरे लिए, लेकिन फिर से टिप्पणियों को पढ़ने में मजा आता है, आप सूर्य के नीचे हर व्याख्या प्राप्त कर सकते हैं, प्रति टिप्पणी बहुत सुंदर है, गिर गया बेबीलोन है, उसकी सभी नक्काशीदार छवियां जमीन पर गिर गई हैं, हे मेरे खलिहान और फटे हुए, मैंने मेजबानों के भगवान से क्या सुना है इज़राइल के भगवान, मैं आपको घोषणा करता हूँ अब मुझे लगता है कि यह यशायाह से 150 साल बाद के निर्वासित लोगों से बात कर रहा है जो बेबीलोन में हैं जिनकी कटाई और सफाई की गई है, क्या आप जानते हैं कि थ्रेशिंग कैसे हुई? आपने बैल को अनाज के ढेर पर घुमाया और दानों को भूसी से अलग किया, फिर आपने एक कांटा लिया और सारी गंदगी को हवा में फेंक दिया और हवा ने भूसी को उड़ा दिया और अनाज तीन या चार स्थानों पर जमीन पर गिर गया। पुस्तक में निर्वासितों को खलिहान और फटे हुए लोगों के रूप में संदर्भित किया गया है और मैं कल्पना कर सकता हूँ कि मैं यशायाह स्कॉल के सिर्फ एक टुकड़े के साथ बेबीलोन में कुछ निर्वासन की कल्पना कर सकता हूँ और उस टुकड़े पर यह गिरा हुआ, गिरा हुआ बेबीलोन है, सभी नक्काशीदार छवियां

उसके देवताओं को उसने भूमि पर चूर-चूर कर दिया है, हे मेरे तृणित और फटके हुए, जो कुछ मैं ने सेनाओं के यहोवा, इस्राएल के परमेश्वर से सुना है, मैं तुम्हें सुनाता हूँ मित्रों, मित्रों, आइए हम बेबीलोनियों के समान न हो जाएं, हम उनके हाथ न बिकें, आइए हम उन्हें न दें हमारे बाइबिल विश्वास को ऊपर उठाएं क्योंकि भगवान कहते हैं कि बेबीलोन का पतन होने वाला है जेके, आप मुझसे मजाक कर रहे होंगे बेबीलोन दुनिया का सबसे महान राष्ट्र है वे सभी शक्तिशाली हैं मुझे पता है लेकिन यह पुस्तक में है कि मैं खड़ा होने जा रहा हूँ और इसलिए जब वह दिन आया कि सभी बाधाओं के बावजूद बाबुल गिर गया और साइरस फारसी ने कहा, जो कोई भी घर जाना चाहता है वह घर जा सकता है और मैं उनके मंदिर के पुनर्निर्माण के लिए भुगतान करूंगा, इस तरह के शब्दों के कारण यहूदी जाने के लिए तैयार थे।

ठीक है 11 से 16 तक की अंतिम पंक्तियाँ मुझे फिर से लगती हैं और यहाँ फिर से आपको हर जगह टिप्पणीकार मिल गए हैं, मुझे लगता है कि हम उस कारवां मार्ग के बारे में बात कर रहे हैं जो बेबीलोन से एदोम ड्यूमा तक रेगिस्तान में जाता था, शायद यह एदोम का एक संदर्भ है। विपर्यय आपने अक्षरों को पुनर्गठित किया है इसलिए बेबीलोन यहाँ है भूमध्य सागर वहाँ है यह अनुपात से बाहर है आइए इसे फिर से आजमाएँ हाँ, यह बेहतर है ठीक है, आप इस पर विश्वास नहीं कर सकते हैं लेकिन यहाँ गैलील है मृत सागर यहाँ एदोम यहाँ स्थित है और फिर से, भाग इसका महत्व मिस्र से संबंध है, एक कारवां मार्ग इस रास्ते से होकर निकला, यहां से कुछ मरूदानों के माध्यम से और मुझे लगता है कि जो हो रहा है वह यहां फिर से है, आपके पास नष्ट हुए बेबीलोन से भाग रहे शरणार्थी हैं और संदेश आ रहा है और ये समूह जो निर्भर थे इस व्यापार पर एहसास है कि हम यहां बुरी मुसीबत में हैं इसलिए श्लोक 11 में ड्यूमा के बारे में दैवज्ञ, श्लोक 13 में अरब के बारे में दैवज्ञ और अन्य संदर्भ जो यहां उल्लिखित हैं, वे सभी यहां कहीं न कहीं संबंधित प्रतीत होते हैं। बेबीलोन का राजा वास्तव में यहीं कहीं था। नखलिस्तान कि वह इतना ही जी रहा था तो मैं आपको अध्याय 19 पर आधारित एक आगमन भजन पढ़ना चाहता हूँ।

चौकीदार हमें रात के बारे में बताता है कि उसके वादे के क्या संकेत हैं, यात्री पहाड़ की ऊंचाई पर उस गौरवशाली तारे को देखता है, चौकीदार को उसकी खूबसूरत किरणें दिखाई देती हैं, उसे खुशी या आशा की भविष्यवाणी करनी चाहिए, यात्री को यह भविष्यवाणी करनी चाहिए कि हाँ, यह इज़राइल का वादा किया हुआ दिन लाता है, चौकीदार हमें बताता है रात्रि का उच्चतर फिर भी वह तारा चढ़ता है यात्री आशीर्वाद और प्रकाश शांति और सच्चाई इसका मार्ग दर्शाता है चौकीदार क्या इसकी किरणें अकेले ही उस स्थान को स्वर्णिम बना देंगी जिसने उन्हें जन्म दिया यात्री युग अपने स्वयं के दृश्य हैं, यह पूरी पृथ्वी पर फूटता है चौकीदार हमें इसके बारे में बताएं सुबह के लिए रात लगती है, यात्री अंधेरा अपनी उड़ान भरता है, संदेह और आतंक वापस ले लिया जाता है, चौकीदार, अपना भटकना बंद करो, अपने शांत घर की ओर चलो, यात्री देखो, शांति का राजकुमार, भगवान का पुत्र आ गया है, चौकीदार, हमें रात के बारे में बताओ सुबह आती है और रात भी होती है यदि आप पूछना चाहते हैं, तो पूछें और फिर से वापस आएं, जॉन बोवरिंग ने उन छंदों को लिया और कहा कि हम यहां अंत में किस बारे में बात कर रहे हैं, चौकीदार क्या दूढ़ रहा है, वह प्रकाश की रोशनी की तलाश में है, आओ गाएं, हे तुम सब आओ विश्वासयोग्य, हर्षित और विजयी, हे बेथलेहम आओ, आओ और स्वर्गदूतों के राजा को जन्म लेते हुए देखो, हे आओ, हम उसकी आराधना करें, हे आओ, हम उसकी आराधना करें, हे आओ, हम

उसकी आराधना करें, मसीह प्रभु प्रहरी, हमें रात के बारे में बताएं सुबह हुई, भगवान का शुक्र है, सुबह आ गई, भगवान आपका भला करे।

राल्फ पूछ रहा था कि क्या हम क्रिसमस की पूर्व संध्या पर मिलने जा रहे हैं, नहीं, हम नहीं हैं, लेकिन हम अगले सप्ताह मिलने जा रहे हैं, इसलिए अपनी क्रिसमस की खरीदारी अगले सप्ताह पूरी कर लें, हम राष्ट्रों के खिलाफ इन दैवज्ञों को पूरा करेंगे।

यह यशायाह की पुस्तक पर अपने शिक्षण में डॉ. जॉन ओसवाल्ट हैं, यह सत्र संख्या 10 यशायाह अध्याय 19 से 21 है।